हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-11 अंक-22 हरिद्वार, मंगलवार, 01 अक्टूबर, 2024 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

मुख्यमंत्री ने लांच की प्रवासी उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ की वेबसाइट

प्रवासी उत्तराखडियों ने अपने कार्यों के बल पर देश-दुनिया में अलग पहचान बनाई है : मुख्यमंत्री

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सचिवालय में प्रवासी उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ की वेबसाइट www.pravasiuttarakhandi.uk.gov.in लांच की। प्रवासी उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ की वेबसाइट आइटीडीए के माध्यम से तैयार की गई है। वेबसाइट के माध्यम से प्रवासियों को राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 07 नवम्बर 2024 को प्रस्तावित प्रवासी उत्तराखण्ड दिवस के अवसर पर देहरादून में देश के विभिन्न प्रदेशों में रह रहे प्रवासियों को आमंत्रित कर भव्य सम्मेलन आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि से सबका जुड़ाव होता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तराखण्ड के प्रवासियों का राज्य के विकास के लिए सहयोग लिया जाए और उनको अपनी मातृभूमि से जुड़ाव के लिए उन्हें हर संभव सहयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे उत्तराखण्ड के प्रवासियों ने देश-दुनिया में अपने कार्यों के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में रहने वाले सभी उत्तराखण्ड वासियों से हमारा नियमित सम्पर्क होना चाहिए। हमारा प्रयास है कि हम हर सुख-दु:ख में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विदेशों में रह रहे प्रवासी उत्तराखण्डियों को भी आमंत्रित कर राज्य में जल्द एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाए। विदेशों में रह रहे सभी प्रवासी उत्तराखण्डियों का डाटाबेस अपडेट रखा जाए। उन्होंने कहा कि विदेश भ्रमणों के दौरान हमारे प्रवासी भाई-बहनों द्वारा जिस तरह भव्य रूप से स्वागत किया जाता है, इससे उनका अपनी पैतृक भूमि से लगाव और अपनी संस्कृति से जुड़ाव स्पष्ट परिलक्षित होता है।

उत्तराखण्ड राज्य से विभिन्न देशों एवं भारत के विभिन्न प्रदेशों में निवासरत उत्तराखण्डी प्रवासियों तक राज्य सरकार की पहुंच बनाने और प्रावासी उत्तराखण्डियों को उनकी मातृ भूमि के साथ जोड़ने, राज्य के विकास में उनकी विशेषज्ञता, अनुभव एवं वित्तीय क्षमताओं का लाभ लिये जाने तथा उल्लेखनीय उपलब्धि वाले प्रवासियों को सम्मानित करने के उद्देशय से राज्य में प्रवासी उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। विदेशों में रह रहे प्रवासियों की सुविधा के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय एवं उनकी महत्वपूर्ण योजनाओं के लिंक भी वेबसाइट में दिये गये है। प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न स्त्रोतो से देश के अन्दर एवं विदेशों में कार्यरत प्रवासी संगठनों एवं प्रतिष्ठित प्रवासियों के सम्पर्क सूत्र एकत्र किये है। अभी तक 18 देशों में रह रहे प्रवासी उत्तराखण्डियों से सम्पर्क स्थापित किया जा चुका है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, डा. बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, श्री दीपेन्द्र चौधरी, श्री एस.एन.पाण्डेय, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी, निदेशक आईटीडीए श्रीमती नीतिका खण्डेलवाल, प्रवासी उत्तराखण्ड प्रकोष्ठ के सदस्य श्री सुधीर चन्द्र नौटियाल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

श्मशान घाट में हो रही थी अंतिम संस्कार की तैयारी, महिला का शव उठाकर ले गई पुलिस

रुड़की,(संवाददाता)। महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी। तभी पुलिस आ गई। जिससे अंतिम संस्कार में पहुंचे लोग सकते में आ गए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और अपने साथ ले गई। अब महिला का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। दरअसल, महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जिसके बाद परिजन उसका शव अंतिम संस्कार को ले जाने लगे। तभी अचानक पुलिस पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया। जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पुलिस के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बिजनौर की रहने वाली महिला की शादी डेढ़ साल पहले गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के गणेशपुर निवासी एक युवक के साथ हुई थी। सोमवार की सुबह अचानक महिला की मौत हो गई। हालांकि, ससुराल पक्ष का कहना है कि बुखार की वजह से उसकी मौत हुई है। उधर, महिला के मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया जा रहा कि ससुराल पक्ष के लोग शव को अंतिम संस्कार कराने जा रहे थे। इसी बीच सूचना मिलने पर महिला के मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को उसकी हत्या करने की सूचना दी। इस सूचना पर पुलिस तत्काल श्मशान के पास पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सिविल अस्पताल भिजवाया दिया। पुलिस अब शव का पोस्टमार्टम करा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।

प्रभारी निरीक्षक, गंगनहर कोतवाली ऐश्वर्या पाल ने कहा कि डॉक्टर के पैनल से महिला की डेड बॉडी का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का पता चल सकेगा।

पॉलिटेक्निक में ब्रांचों को बंद करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

देहरादून (संवाददाता)। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि अगर हमें नौजवानों को रोजगार देना हैं तो उन्हें टेक्निकल एजुकेशन देनी पड़ेगी, स्किल डेवलपमेंट करना पड़ेगा... पीएम मोदी ने यह बातें 12 अगस्त 2015 को कही थीं। इसके विपरीत उत्तराखंड की धामी सरकार का प्राविधिक शिक्षा विभाग 15 पॉलिटेक्निक संस्थानों में विभिन्न ब्रांचों को बंद कर रहा है। इसके पीछे यह कारण दिया जा रहा कि छात्र कम हैं या एडमिशन नहीं हुए।

आर्य ने कहा कि जिन ब्रांचों को बंद किया जा रहा है, उनमें बिग डाटा, गेमिंग एंड एनीमेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी ब्रांच शामिल हैं, जो टेक्नोलॉजी की दुनिया में सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धामी सरकार अपने राज में तकनीकी प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार तो दे नहीं पाई, अब रोजगार के अवसर भी हमेशा के लिए खत्म करने पर आमदा है।

गौसेवा से प्रसन्न होते हैं देवी देवता-पंडित पवन कृष्ण शास्त्री

हरिद्वार,संवाददाता। श्री राधा रसिक बिहारी भागवत परिवार सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में रामनगर कॉलोनी ज्वालापुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री ने गौ माता की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि धार्मिक ग्रंथों में लिखा है गावो विश्वस्य मातर: अर्थात गाय विश्व की माता है। गौ माता की रीढ़ की हड्डी में सूर्य नाड़ी एवं केतु नाड़ी साथ होती हैं। गौमाता जब धूप में निकलती है तो सूर्य का प्रकाश गौमाता की रीढ़ हड्डी पर पड़ने से घर्षण द्वारा केरोटिन पदार्थ बनता है। जिसे स्वर्णक्षार कहते हैं। यह पदार्थ नीचे आकर दूध में मिलकर उसे हल्का पीला बनाता है। इसी कारण गाय का दूध हल्का पीला नजर आता है। इसे पीने से बुद्धि का तीव्र विकास होता है। जब किसी अनिवार्य कार्य से बाहर जा रहे हों और सामने गाय माता अपने बछड़े या बछिया को दूध पिलाती दिखे तो समझ जाना चाहिए कि जिस काम के लिए निकले हैं वह कार्य अब निश्चित ही पूर्ण होगा। गौ माता का जंगल से घर वापस लौटने का संध्या का समय (गोधूलि वेला) अत्यंत शुभ एवं पवित्र है। गाय का मूत्र गो औषधि है। मां शब्द की उत्पत्ति गौ मुख से हुई है। मानव समाज ने भी मां शब्द कहना गाय से सीखा है। जब गौ वंश रंभाता है तो मां शब्द गुंजायमान होता है। गौ-शाला में बैठकर किए गए यज्ञ हवन, जप-तप का फल कई गुना मिलता है। बच्चों को नजर लग जाने पर, गौ माता की पूंछ से बच्चों को झाड़े जाने से नजर उतर जाती है। इसका उदाहरण ग्रंथों में भी पढ़ने को मिलता है। पूतना उद्धार में भगवान कृष्ण को नजर लग जाने पर गाय की पूंछ से ही उनकी नजर उतारी गई। गौ के गोबर से लीपने पर स्थान पवित्र होता है। गौ-मूत्र का अथर्ववेद, चरक सहिंता, राजतिपटु, बाण भट्ट, अमृत सागर, भाव सागर, सश्रुत संहिता आदि ग्रंथों में वर्णन किया गया है। काली गाय का दूध त्रिदोष नाशक सर्वोत्तम है। गाय का दूध एक ऐसा भोजन है। जिसमें प्रोटीन कार्बोहाइड्रेड, दुग्ध, शर्करा, खनिज लवण वसा आदि मनुष्य शरीर के पोषक तत्व भरपूर पाए जाते है। आज भी घरों में पहली रोटी गाय के लिए राखी जाती है। कई स्थानों पर संस्थाएं गौशाला बनाकर पुनीत कार्य कर रही है, जो कि प्रशंसनीय कार्य है। शास्त्री ने बताया दु:ख इस बात का भी होता है कि लोग गाय को आवारा भटकने के लिए बाजारों में छोड़ देते है। उन्हें उनकी भूख प्यास की कोई चिंता ही नहीं होती। लोगों को चाहिए कि यदि गाय पालने का शौक है तो उनकी देखभाल भी आवश्यक है। गौ सेवा करने से ही 33 कोटी देवी देवता प्रसन्न होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति गौ माता की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़े तभी मनुष्य मात्र का कल्याण संभव है।

मुख्य यजमान किरण शर्मा, शिमला उपाध्याय, रश्मि गोस्वामी, किशोर गुप्ता, सोनिया गुप्ता, रिशु गोयल, डा.अनिल भट्ट, वीना धवन, शांति दर्गन, रिंकू शर्मा, महेंद्र शर्मा, रुद्राक्ष भट्ट, रिंकी भट्ट, विमला देवी भट्ट, पंडित गणेश कोठारी, रीना जोशी, मोनिका बिश्नोई, पूर्व पार्षद रेणु अरोड़ा, दीप्ति भारद्वाज, रीना जोशी, हर्ष ब्रह्म, अन्नू शर्मा, सुष त्यागी, मधु इलाहाबादी, सारिका जोशी, भावना खुराना, सुमन चौहान आदि ने भागवत पूजन किया।

सम्पादकीय

चिंता: विलुप्त होते जीव जंतु

यह समझना जरूरी है कि धरती पर इंसान का अस्तित्व तभी तक है जब तक जंगल हैं । जंगल की महत्ता वहां के जीव-जंतुओं पेड पौधों से है। जीव-जंतुओं और पौधों की लगभग 50 प्रजातियां रोजाना विलुप्त हो रही हैं इसलिए अब पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण किया जाना जरूरी है। हमारे पूर्वज पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक प्रबंधन में माहिर थे। उनके संस्कार जनित प्रयासों से ही हम जैव विविधता बचा पाये हैं और प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए सबकी जरूरत पूरी करते रहे। पर्यावरण का निरंतर क्षरण रोज की बात है पर अब तो दुनिया भर में पाये जाने वाले पेड़-पौधों और जीव-जन्तुओं की करीब एक तिहाई प्रजातियां भी विलुप्त होने के कगार पर हैं। जनसंख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है, वहीं मानव अन्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को नष्ट कर उनकी जगह भी पसरता जा रहा है। जैव विविधिता संरक्षण बिना विकास का कोई महत्व नहीं है। जंगलों की ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की भूमिका के बारे में सभी जानते हैं। दुनियाभर के जंगल वातावरण से 7.6 गीगाटन कार्बन डाई ऑक्साइड सोखते हैं जो मानव गतिविधियों से दुनिया में पैदा हुई कार्बन का 18 प्रतिशत होती है। जंगल कुल मिलाकर इस धरती को 0.5 डिग्री ठंडा रखते हैं। मगर इसके बावजूद हम 10 मिलियन हैक्टेयर जंगल हर साल खो देते हैं यानी हर साल एक पुर्तगाल खो रहे हैं। भारत में सबसे ज्यादा जैव विविधता है। इसके संरक्षण की दिशा में काम करना जरूरी है। देश की आधी आबादी को कृषि से रोजगार मिल रहा है। हमारी सोच होनी चाहिए कि जीव-जंतुओं का महत्व हमसे कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र ने भी कहा है कि सभ्यता और संस्कृति का बड़ा महत्व है। दुनिया को मिलकर यह प्रयास करना चाहिये कि कौन सा प्रयास बेहतर है जिसको और जगह भी अपनाया जा सके। विश्व की बढ़ती आबादी की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में कृषि जैव विविधता के संरक्षण से टिकाऊपन बनाये रखने के लिए अब ठोस प्रयास जरूरी हैं।

सेहत के लिए हानिकारक है चमकहीन पुखराज, धारण करने से हो सकता है बड़ा नुकसान

ग्रह एवं नक्षत्रों के नाराज होने पर जीवन में अचानक कई परेशानियां आना शुरू हो जाती हैं तो ज्योतिष के जानकार ग्रहों की नाराजगी से बचाव के लिए रत्न पहनने की सलाह देते हैं। कई बार सही रत्न न पहनने की वजह से लाभ की जगह नुकसान होना शुरू हो जाता है। रत्नशास्त्र के अनुसार जिस पुखराज में चमक नहीं होती है, वह सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला होता है।

पुखराज एक बहुमूल्य रत्न है। रत्न शास्त्र के अनुसार इसका संबंध बृहस्पति ग्रह से है। ज्योतिष के अनुसार मनुष्य के जीवन में ग्रह और रत्न का विशेष प्रभाव पड़ता है। अगर बृहस्पति ग्रह आपकी कुंडली में अनुकूल है तो किसी अन्य ग्रहों का दुष्प्रभाव मनुष्य पर नहीं पड़ता है, जिसके पास धन की कमी होती है वे लोग पुखराज को धारण करते हैं। पुखराज को 'गुरुरत्न भी कहां जाता है।

पुखराज पीला, सफेद, गुलाबी, आसमानी, तथा नीले रंगों में पाया जाता है। इसे हिन्दी में पुखराज, संस्कृत में पुष्पराज व अंग्रेजी में टोपाज कहते हैं। जिस व्यक्ति की कुंडली में गुरुकारक ग्रह हो उसे पुखराज पहनना चाहिए। इसे धारण करने से बुरे विचारों से मुक्ति मिलती है लेकिन इसे धारण करने से पहले जान लें कि इसमें कुछ दोष भी पाए जाते हैं।

इस तरह का पुखराज पहनने से बचें -

जिस पुखराज में चमक नहीं होती है, ऐसा पुखराज स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इसे पहनकर आपकी सेहत खराब रहेगी।

ग्रहों की नाराजगी से बचाव के लिए रत्न पहनने की सलाह देते हैं ज्योतिषी

जिस पुखराज में जाल जैसा बना नजर आए उसे न पहनें, इससे आपके घर संतान नहीं होगी।

जिस पुखराज में गड्ढा दिखाई दे उसे कभी न लें इससे आपके घर में लक्ष्मी कभी नहीं आएगी व आकर भी चली जाएंगी।

जिस पुखराज मे काले छींटें नजर आ रहे हो ये आपके घर के लिए अच्छा नहीं होता है। इससे आपके घर में हमेशा कलह होती रहती है।

जिस पुखराज में आपको खड़ी लकीरें दिखाई दें तो ऐसा पुखराज घर को बर्बाद कर सकता है। इसे पहनने से घर के लोगों को परेशानियां आ सकती है।

कृषि पारिस्थितिकी की पहल से आजीविका संवर्धन और खाद्य संप्रभुता

देहरादून. संवाददाता। ''समूचा हिमालय स्वयं में कृषि-पारिस्थितिकी का दर्पण है. इस विराट भोजन सभ्यता को जैव विविधता के संरक्षण से ही सफल बनाया जा सकता है. यह

सफलता किसानों की आजीविका में सतत वृद्धि के साथ ही भोजन संप्रभुता की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी.'' यह कहना था जैवविविधता प्राधिकरण (एनबीए) के पूर्व अध्यक्ष और डब्ल्यूआईआई के निदेशक डॉ. वी.बी. माथुर का। वह यहाँ सहारनपुर रोड स्थित होटल ग्रैंड में ''कृषि पारिस्थितिकी पर उत्तराखंड के हितधारकों की बैठक'' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

इस अवसर पर उपस्थित वैज्ञानिकों, प्रशासकों, किसानों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य अनुभव और विचार साझा किये। डॉ. वी.बी. माथुर का कहना था कि आज असुरक्षा अपने विकराल रूप में सामने आ रही है, इस समस्या का निदान कृषि जैव विविधता को बचाने में है।उन्होंने कहा कि हिमालयी कृषि उत्पादों की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन उसी अनुपात में यहाँ खेती की जीवटता गिर रही है। इस विडम्बना से निपटने के लिए किसान, वैज्ञानिक, अधिकारी और नीति निर्माताओं को आत्मीयता के साथ आगे आना होगा और फसलोत्पादन की लागत को कम करना होगा।

डॉ. ईश्वरी एस. बिष्ट, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, एनबीपीजीआर आरएस भोवाली, ने उत्तराखंड में खाद्य प्रणालियों का कृषि-पारिस्थितिक परिवर्तन, प्रमुख चुनौतियाँ और अवसर पर बात रखी। उन्होंने कहा कि किसान फसलों के उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण और उपभोग तक सबसे अच्छा ज्ञान रखता है। लेकिन कृषि परिस्थितिकी की इस आवश्यक प्रक्रिया में कई बाधाओं के कारण उत्तराखंड के पहाड़ी आँचल की खेती बड़ी चुनौतियों के गुजर रही है। उन्होंने उत्तराखंड मध्य हिमालय के पौड़ी, अल्मोड़ा चम्पावत और बागेश्वर के बंजर होते परिदृश्य पर ध्यान आकर्षण किया. और कृषि नीति को व्यावहारिक बनाकर प्रयोगशाला से खेत और उत्पादन से बाजार की दूरी को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अलाइंस ऑफ़ बायोडायवर्सिटी इंटरनेशनल के लिए भारतीय प्रतिनिधि डॉ जे. सी. राणा, ने हिमालयन एग्रो-इकोलॉजिकल इनिशिएटिव (HAI) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया, '' हिमालयन एग्रोइकोलॉजी इनिशिएटिव (HAI) एक ऐसा रणनीतिक प्रयास है जो सरकारों के साथ मिलकर और हितधारकों के एक व्यापक समूह के समर्थन से काम करता है। ताकि उन बहु-हितधारक प्रक्रियाओं को सम्बल दिया जा सके जो कृषि-पारिस्थितिकी आधारित खाद्य-प्रणालियों के रोडमैप को विकसित, निर्मित और कार्यान्वित करने में सहायता करती है। इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य तीन हिमालयी देशों (भारत, नेपाल और भूटान) की आजीविका और उसकी स्थिरता में सुधार लाने के साथ किसानों, किसान उत्पादक संगठनों एवं अन्य प्रमुख हितधारकों को सशक्त बनाना है, ताकि वे जैविक/ प्राकृतिक कृषि, खाद्य-प्रसंस्करण और उपभोग का समर्थन करने वाली सार्वजनिक नीतियों का बेहतर लाभ उठा सकें।

डॉ. राकेश मैखुरी, (प्रो. एवं अध्यक्ष पर्यावरण विज्ञान विभाग, एचएन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल) ने 'हिमालयी कृषि पारिस्थितिकी और संबंधित पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास के लिए रोडमैप' पर बात रखी। उन्होंने कहा कि निशुल्क राशन व्यवस्था भी युवाओं का खेती से मोहभंग का एक बड़ा कारण है। उन्होंने राज्य की नीति को युवा केन्द्रित बनाने पर जोर दिया। और मानव संसाधनों के विकास से हिमालयी क्षेत्र में कृषि परक रोजगार उत्पन्न करने की सलाह दी।

सुश्री बिनीता शाह, अध्यक्ष सुपा बायोटेक ने 'सतत कृषि कार्यक्रम, राज्य में जमीनी स्तर की पहल, कृषि-पारिस्थितिकी के प्रबंधन में प्रमुख बाधाओं और उनसे पड़ने वाले प्रभाव'' विषय पर भावपूर्ण बात रखी. उन्होंने कहा कि पहाड़ के लोगों की कर्मठता, सरलता और जीवटता यहाँ की पारिस्थितिकी और उससे प्राप्त श्री अन्न से है। उन्होंने सीमांत गाँवों के बची-खुची कृषि विविधता पर प्रस्तुति दी और उसको बचाने तथा आगे बढाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जमीन को वहां की कृषि पारिस्थिकी के अनुसार सदुपयोग करने हेतु नीति निर्मित करनी चाहिए। डॉ. ए.के. उपाध्याय, संयुक्त निदेशक-कृषि ने उत्तराखंड में जैविक खेती/प्राकृतिक खेती/कृषि विकास के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं, चुनौतियों और संभावनाओं पर बात रखी. उन्होंने जैविक खेती को आगे बढ़ाने, उसे प्रमाणीकरण से जोड़ने हेतु सरकार की योजनाओं पर जानकारी दी। आजीविका कार्यक्रमों से जुड़े श्री कैलाश भट्ट ने क्षेत्र में अनुभव, चुनौती और अवसर और अवसर पर प्रकाश डाला. उन्होंने ग्रामीण उद्यम वेग परियोजना के माध्यम से पहाड़ी उत्पादों के प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर बात रखी। इस तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. जी.एस. रावत, प्रोफेसर एमेरिटस, यूसीओएसटी, पूर्व निदेशक और डीन डब्ल्यूआईआई ने की।

द्वितीय सत्र सामूहिक चर्चा पर आधारित रहा. तीन समूहों में संवाद के आधार पर यह सत्र संपन्न हुआ. प्रथम समूह का नेतृत्व श्री पवन कुमार, सीजीएम, पतंजलि आर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, हरिद्वार ने किया. उनकी थीम थी विभिन्न विभागों और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी अधिकारियों पर आधारित रही।

तृतीय समूह का संचालन डॉ. प्रदीप मेहता राज्य प्रमुख यूएनडीपी के नेतृत्व में 'फेडरेशन/प्रगतिशील किसान/ एफपीओ'' विषयों पर संपन्न हुआ।

समापन सत्र में तीनों समूहों ने अपनी वार्ता का संक्षेप में विवरण प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में स्पेक्स के अध्यक्ष डॉ बृजमोहन शर्मा, श्रमयोग से अध्यक्ष अजय जोशी, बीज बचाव आंदोलन के विजय जरदारी, ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट फॉर सोसायटी के सचिव नीरज उनियाल, डॉ आर के मुखर्जी नवप्रभात नेगी, मंगेश कुमार, दिनेश सेमवाल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता को लेकर शानदार काम कर रहे हैं उत्तरकाशी के झाला गांववासी - रेखा आर्या

'मेड इन इंडिया' उत्पादों को खरीद देश की विकास गति को और अधिक बढ़ाएं प्रदेश वासी : रेखा आर्या

देहरादून (संवाददाता)। आज देहरादून में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने डोभावाला के वार्ड संख्या 10 के बूथ संख्या 66 पहुँचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक जन संवाद कार्यक्रम 'मन की बात' का श्रवण किया। कार्यक्रम को सुनने के लिए एकत्रित हुई मातृशक्ति एवं अन्य श्रोताओं को संबोधित करते हुए मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हर माह की तरह इस माह भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ये कार्यक्रम देश की विविधता और जन सामान्य के अभिनव प्रयासों को समेटे हुए था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के 'मन की बात' के संस्करण में उत्तरकाशी के ग्राम झाला का जिक्र किया, जिस पर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मुझे अत्यंत हर्ष है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तरकाशी के झाला गांव में गांववासियों द्वारा चलाई जा रही 'धन्यवाद प्रकृति' अभियान का अपने संबोधन में जिक्र किया। मंत्री रेखा आर्या ने झाला गांव के निवासियों की सराहना करते हुए कहा कि झाला गांव में शुरू हुई ये बहुत ही अनुपम पहल है और इसके लिए गांव का प्रत्येक नागरिक सम्मान का अधिकारी है। मंत्री रेखा आर्या ने प्रदेश के लोगों से झाला गांव से शुरू हुई इस धन्यवाद प्रकृति मुहिम से जुड़ने की अपील भी की। मंत्री ने कहा इस तरह के स्वच्छ्ता कार्यक्रमों से जुड़कर प्रदेश का हर नागरिक प्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अपना अहम योगदान दे सकता है और प्रदेश को स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ बना सकता है। आज के मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फोकस जल संरक्षण और 'मेड इन इण्डिया' जैसे विषयों पर रहा। मंत्री रेखा आर्या ने भी प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि त्योहारों के इस सीजन में वो अधिक से अधिक मात्रा में 'मेड इन इण्डिया' उत्पादों को खरीदें और भारत के कामगारों और भारत की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाएं।

कार्यक्रम के उपरान्त मंत्री रेखा आर्या ने वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी सुदेश वर्मा जी को सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे राज्य आंदोलनकारी हमारा आधार हैं और हम इनकी आकांक्षाओं अनुरूप उत्तराखंड के विकास हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान मंत्री रेखा आर्या ने कई लोगों को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता भी दिलाई और भाजपा संगठन में स्वागत करते हुए कहा कि अगर भारत को विकसित बना है तो भाजपा को मजबूत बनाना होगा और भाजपा तब मजबूत होगी जब बूथ मजबूत होगा।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, सरिता गौड़, बबीता सहरोत्रा, वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी सुदेश वर्मा, कुसुम लता, वरिष्ठ कार्यकर्ता मोहन बहुगुणा, वार्ड संयोजक अजय कुमार, जीवन लांबा, दर्शनी देवी, प्रदीप सजवाण, सरिता थापा, शंकर दयाल समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता और स्थानीय जनता मौजूद रही।

भाजपाइयों ने राज्य के सभी बूथों पर सुनीं प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

देहरादून (संवाददाता)। भाजपाइयों ने राज्य के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात सुनते हुए सदस्यता महाअभियान को आगे बढ़ाया है । इस दौरान मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सांसदों, मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों समेत सभी प्रवासी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में स्वच्छता के मुद्दे पर उत्तराखंड के गांव का जिक्र आने को गौरवशाली बताया। प्रदेश मीडिया प्रभारी ने जानकारी दी कि देहरादून कैंट विधानसभा के शास्त्रीनगर में वार्ड 41 बूथ संख्या 16 में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यकर्ताओं एवं जनसहभागिता के साथ मन की बात के 114 वें एपिसोड को सुना। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, यह हम सबके लिए बेहद संतोष की बात है कि विकास भी विरासत भी के जिस सिद्धांत पर चलने का जिक्र पीएम ने आज किया, उसपर चलते उत्तराखंड, सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लगातार में आगे बढ़ रहा है । क्योंकि हमनें रेल, सड़क, हवाई कनेक्टिविटी को शानदार बनाया, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत और विकास की गति को तीव्र तो किया ही साथ ही चार धामों एवं मानसखंड मंदिर माला को भव्यता और दिव्यता को बढ़ाने का काम भी किया।

उन्होंने पीएम द्वारा स्वच्छता को लेकर उत्तरकाशी ज़िले झाला गांव के प्रयासों के जिक्र को प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए गौरवशाली एवं प्रेरणादायक बताया । अब हम सबका भी प्रयास होना चाहिए कि विगत 10 वर्षों से जारी स्वच्छता की मुहिम को अधिक तेजी और व्यापकता के साथ हमेशा हमेशा के लिए जीवन का हिस्सा बनाए। इसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व निर्धारित सदस्यता महाअभियान में भाग लिया। जिसके तहत उन्होंने घर घर जाकर पार्टी और सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराकर लोगों को पार्टी से जोड़ा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अंजू बिष्ट, दायित्वधारी मुफ्ती मोहम्मद काश्मी, जिला महामंत्री श्री विजेन्द्र थपलियाल, कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र ढिल्लो, सह-संयोजक तेजपाल सैनी सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं श्री चौहान ने संगठन के आज हुए कार्यक्रमों को लेकर बताया कि मन की बात के साथ प्रत्येक बूथ पर प्रवासी कार्यकर्ताओं द्वारा सदस्यता महाअभियान चलाया। जिसके तहत स्थानीय कार्यकर्ताओं के सहयोग से घर घर जाकर मोदी जी की ताकत को बढ़ाने के लिए पार्टी से जुड़ने का आग्रह किया गया। ऑनलाइन ऑफलाइन दोनों तरीकों से प्राथमिक सदस्यता दिलाने के साथ पार्टी और सरकार की उपलब्धियों के पत्रक वितरित किए गए और दीवार पर स्टीकर चिपकाए गए । इसी तरह मन की बात कार्यक्रमों के क्रम में केंद्रीय मंत्री एवं अल्मोड़ा सांसद अजय टम्टा ने बूथ 143 अगस्तमुनि रुद्रप्रयाग, नैनीताल सांसद अजय भट्ट ने विवेकानंद स्कूल आवास विकास कालोनी हल्द्वानी के बूथ नंबर 26, पूर्व सीएम एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मंडल देहरादून के बूथ नंबर 40, राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने बूथ 10 जीएमएस रोड मंडल कैंट, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी ने लालचंद वाला खानपुर, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने बूथ 66 डोभाल वाला, सुबोध उनियाल ने बूथ नंबर 124 यमुना कॉलोनी, प्रेमचंद अग्रवाल ने बूथ नंबर 85 सुमन नगर ऋषिकेश, गणेश जोशी में बूथ नंबर 122 भद्रकाली मंदिर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत में बोथ नंबर 170 हल्द्वानी, विशन चुंफाल ने बूथ नंबर 123 बिनकोट, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने बूथ नंबर 142 अगस्त मुनि, राजेंद्र बिष्ट ने बूथ नंबर 192 भूमिया बिहार कुसुमखेड़ पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में शिरकत की। साथ ही मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी ने बूथ नंबर 66 आवास विकास काशीपुर में जनता के मध्य आज का एपिसोड सुना।

रंगमंच पूजन कर किया रामलीला मंचन का शुभारंभ

हरिद्वार, संवाददाता। श्री रामलीला समिति मौ.लक्कड़हारान ज्वालापुर के 118वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने विधिवत रूप से रंगमंच पूजन कर रामलीला मंचन का शुभारंभ किया। रंगमंच पूजन पंडित विपिन बदुनि एवं पंडित नीतीश सिखौला ने संपन्न कराया। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सरदार एवं मंत्री प्रदीप पत्थरवालो ने मुख्य अतिथि तन्मय वशिष्ठ का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व सम्मान किया। रामलीला समिति की और से मीडिया प्रभारी गौरव चक्रपाणी ने इंद्र कुमार, विपुल, सुनील मिश्रा, विनय बदन का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने कहा कि भगवान श्रीराम जन-जन के आराध्य हैं। भगवान श्रीराम के आदर्शो को अपनाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान दें। इस अवसर पर रामलीला समिति के प्रबंधक नितिन अधिकारी, संयोजक प्रवीण मल्ल, स्वागत मंत्री उदित वशिष्ठ, आशुतोष चक्रपाणि, सिद्धार्थ चक्रपाणि, आलोक चौहान, राकेश चक्रपाणि, प्रवीण खेड़ेवाले, सगुन भगत, शिवांकर चक्रपाणि, दीपांकर चक्रपाणि, सत्यम अधिकारी, शिवम अधिकारी, तन्मय सरदार, नवनीत चक्रपाणि, मधुसूदन हेम्मनके, हर्षित अधिकारी, कुणाल कुँएवाले, नमन चक्रपाणि, देवांश अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक स्थल राजपुर बावड़ी से शुरू हुई जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की मुहिम

देहरादून (संवाददाता)। जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान की शुरुआत ओल्ड मसूरी रोड स्थित स्वामी विवेकानंद जी के ध्यान स्थल राजपुर बावड़ी (ऐतिहासिक स्थल) से की गई जहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने सामाजिक संगठनो एवं जन सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के साथ राजपुर बावड़ी का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री के आह्वान से देश भर में जल संरक्षण अभियान ने तेजी पकड़ी है, वही उत्तराखंड प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जल संरक्षण अभियान में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके क्रम में प्राकृतिक धारों, नालों, नदियों का संवर्धन के साथ ही जल संरक्षण की दिशा में प्रभावी कार्य योजनाओं पर कार्य गतिमान है। जिलाधिकारी ने जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाई जा रही इस मुहिम को निरंतर बनाए रखने हेतु प्रभावी कार्य योजना बनाने एवं स्थानीय लोगों एवं संगठनों से जिला प्रशासन की इस मुहिम में जुड़ने की भी अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी ने बावड़ी का जल भी पिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु पहाड़ी पेडलर्स के साथ ही अन्य सामाजिक संगठन निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्णय लिया गया है कि जल स्रोत के रिचार्ज एवं संवर्धन हेतु सिविल निर्माण न करते हुए स्थानीय मिट्टी एवं पत्थर से ही जल संरक्षण के लिए प्रयास किए जाएंगे, ताकि इनके संवर्धन के साथ ही इनका ऐतिहासिक महत्व बना रहे। उन्होंने कहा कि इस मुहिम का उद्देश्य जल संवर्धन/संरक्षण के साथ ही स्थानीय लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना एवं इनके संरक्षण हेतु स्थानीय तौर तरीकों से मुहिम को सफल बनाना है, ताकि स्थानीय लोगों एवं जीव जंतुओं के लिए उनके प्राकृतिक स्थलों में पेयजल रहे। जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण हेतु पिछले सप्ताह से शुरू की गई मुहिम के फलस्वरुप जनपद देहरादून शहर के अंतर्गत तथा आसपास 70 धारे, नौले, बावड़ी, का सर्वे कर लिया गया है। यह मुहिम निरंतर चलती रहेगी। मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से इन सभी जल स्रोतों नोले, धारे, प्राकृतिक बौले, नहर का संरक्षण करने हेतु स्थानीय समुदाय, सामाजिक संगठनों के सहयोग से वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक तरीके से संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा। जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाये जा रहे अभियान एवं कार्य संचालन पर होने वाला व्यय जिलाधिकारी अपने स्रोतों से कर रहे हैं। जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अच्छा कार्य कर रही संस्था के प्रतिनिधि एवं पर्यावरण विशेषज्ञ पदमश्री कल्याण सिंह रावत मैती को जिलाधिकारी ने जनपद की जल संरक्षण समिति में सदस्य के रूप में सम्मिलित करने की भी स्वीकृति आज दी है। जिससे जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उनके कार्य अनुभवों का लाभ लेते हुए जनपद में अवस्थित प्राकृतिक जल स्रोतों नोले, धारे, प्राकृतिक बौले, नहर आदि का प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण/संवर्द्धन किया जा सके। इस अवसर पर पर्यावरण विशेषज्ञ पदमश्री कल्याण सिंह रावत मैती, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि एवं पेडलर्स उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने दी मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिए जाने की बधाई

नई दिल्ली। इस साल का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दिग्गज अभिनेता को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को यह पुरस्कार देने की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कोलकाता की गलियों से लेकर सिनेमा की ऊंचाइयों तक, मिथुन दा की अद्भुत सिने यात्रा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। दादासाहेब फाल्के चयन समिति ने भारतीय सिनेमा में उनके ऐतिहासिक योगदान के लिए उन्हें इस सम्मान से नवाजने का निर्णय लिया है।

मंत्री ने बताया कि यह पुरस्कार 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 8 अक्टूबर को मिथुन चक्रवर्ती को प्रदान किया जाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, मुझे खुशी है कि मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वह एक कल्चरल आइकन हैं, जिनको अपने बहुमुखी प्रदर्शन के लिए पीढ़ियों से सराहना मिली हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं। दूसरी ओर, इस अवार्ड पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है, हमें बड़ा अफसोस है कि इस बार का पुरस्कार पीएम नरेंद्र मोदी को नहीं मिला। वह इसके हकदार थे। पूरे देश में अगर कोई कलाकार है, तो वह पीएम मोदी हैं।

उल्लेखनीय है कि मिथुन चक्रवर्ती ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत मृणाल सेन की फिल्म मृगया (1976) से की थी, जिसके लिए उन्हें पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। यह फिल्म भारत और उस समय के सोवियत संघ में भी बड़ी हिट रही थी। इसके बाद 1982 में आई फिल्म 'डिस्को डांसर' के जरिए मिथुन दा पूरी दुनिया में मशहूर हो गए।

ज्ञात हो कि, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारत का सबसे बड़ा सिनेमा पुरस्कार है, जो हर साल राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा दिया जाता है। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा के विकास में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। मिथुन चक्रवर्ती को हाल ही में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था। अप्रैल में हुए इस समारोह में उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह सम्मान प्राप्त किया। इस बारे में उन्होंने कहा था, मैं बहुत खुश हूं। मैंने कभी भी अपने लिए किसी से कुछ नहीं मांगा। जब मुझे गृह मंत्रालय से फोन आया कि मुझे पद्म भूषण दिया जा रहा है, तो मैं एक मिनट के लिए चुप हो गया, क्योंकि मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी।

अमित शाह ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिए बयान को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटिया और शर्मनाक बताया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कल (29 सितंबर) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण में अपने नेताओं और अपनी पार्टी से भी ज्यादा घटिया और शर्मनाक बात कही। उन्होंने अपनी कटुता का परिचय देते हुए बेवजह पीएम मोदी को अपने निजी स्वास्थ्य मामले में घसीटा और कहा कि वे पीएम मोदी को सत्ता से हटाकर ही दम लेंगे। शाह ने आगे कहा, इससे पता चलता है कि इन कांग्रेस के लोगों में पीएम मोदी के प्रति कितनी नफरत और डर है कि वे हर समय उनके बारे में सोचते रहते हैं। जहां तक खड़गे के स्वास्थ्य की बात है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रार्थना करते हैं, मैं प्रार्थना करता हूं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वे दीर्घायु और स्वस्थ रहें। वे अनेक वर्षों तक जीवित रहें और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होते देखें। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 29 सितंबर को जम्मू-कश्मीर में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनकी तबीयत खराब हो गई। खड़गे ने कहा, मैं 83 साल का हूं, लेकिन तब तक जिंदा रहूंगा जब तक हम मोदी को हटा नहीं देते हैं। इसके बाद उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया। खड़गे ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर आकर युवाओं के भविष्य के लिए झूठे आंसू बहा रहे है। असलियत ये है कि पिछले 10 सालों में पूरे देश के युवाओं को अंधकार में धकेल दिया है। जिसके लिए वह खुद जिम्मेदार हैं। अभी बेरोज़गारी के आंकड़े आए हैं। 45 वर्षों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी मोदी की देन है। उन्होंने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए आगे लिखा, मोदी-शाह की सोच में रोजगार देना नहीं, सिर्फ भाषण देना, फोटो खिंचाना और फीता काटना है। जम्मू कश्मीर में सरकारी विभागों में 65 प्रतिशत पद खाली है। यहां की नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रही है। एम्स जम्मू में भी जम्मू के लोगों को नौकरियां नहीं मिलीं। ये जानकारी मुझे मिली है।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित

पटना। बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10 बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण 16 जिलों पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढ़ी, सुपौल, सिवान, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण एवं सहरसा के 31 प्रखंडों में 152 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 4 लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ से प्रभावित आबादी को सुरक्षित निष्क्रमित करने के लिए एनडीआरएफ की कुल 12 टीम एवं एसडीआरएफ की कुल 12 टीमों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से एनडीआरएफ की तीन टीमों को बुलाया गया है। बताया गया कि लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने एवं आवागमन के लिए 630 नावों का परिचालन कराया जा रहा है।

बांग्लादेश में एक दिन में कुल 1,221 डेंगू के मामले आए सामने

ढाका । स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि बांग्लादेश में एक दिन में कुल 1,221 डेंगू बुखार के मामले सामने आए हैं। जो इस साल में एक दिन में आने वाले सबसे ज्यादा मामले हैं। बता दें कि यह संख्या रविवार को पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई। इसी अवधि के दौरान डेंगू बुखार के चलते आठ लोगों की मौत हो गई, जिससे इस साल अब तक मरने वालों की संख्या 158 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि ताजा संक्रमण के मामलों से बांग्लादेश में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़कर 29,786 हो गई है। डेंगू के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए बांग्लादेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मच्छरों के प्रजनन को रोकने और लार्वा रोधी अभियान चलाने के उपायों को मजबूत किया है। मानसून अवधि के दौरान जून से लेकर सितंबर तक बांग्लादेश में डेंगू बुखार का प्रकोप रहता है। बांग्लादेश को डेंगू के लिहाज से उच्च जोखिम वाला देश माना जाता है। डेंगू एक वायरल बीमारी है जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू के शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और त्वचा पर दाने दिखाई देते हैं। यह लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 3 से 14 दिन बाद मरीज को नजर आते हैं, और सामान्यत यह एक सप्ताह से कम समय तक रहते हैं। डेंगू संक्रमित एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। ये मच्छर घर या बाहर कहीं भी दिन या रात के समय काटते हैं। डेंगू से बचाव के लिए जरूरी है कि मच्छरों को घरों में न पनपने दें। शरीर को पूरी तरह से ढक कर रखें। इसके साथ ही मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।

खड़गे साहब राहुल गांधी के विरोधी : गिरिराज सिंह

पटना । बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद व केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को राहुल गांधी का विरोधी बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर हमला बोला, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं तब तक नहीं मरूंगा, जब तक की मोदी को सत्ता से हटा ना दूं। गिरिराज ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा, इस बयान से साफ जाहिर होता है कि खड़गे साहब राहुल गांधी के विरोधी हैं, क्योंकि मोदी जी 100 सालों तक हैं, और तब तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी बूढ़े हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी को इस पद तक पहुंचने का मौका ही नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा, खड़गे साहब आप एक बात समझ लीजिए कि पीएम मोदी हजार सालों तक देश की जनता के दिलों पर राज करेंगे। कोई जिंदा रहे या मर जाए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। मोदी जी गरीबों के मसीहा के रूप में जाने जाते हैं। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी खड़गे के मंच पर कही बातों को अशोभनीय और शर्मनाक बताया था। लिखा, कल (29 सितंबर) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण में अपने नेताओं और अपनी पार्टी से भी ज्यादा घटिया और शर्मनाक बात कही। उन्होंने अपनी कटुता का परिचय देते हुए बेवजह पीएम मोदी को अपने निजी स्वास्थ्य मामले में घसीटा और कहा कि वे पीएम मोदी को सत्ता से हटाकर ही दम लेंगे। इस पोस्ट में शाह ने आगे खड़गे के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए लिखा, जहां तक खड़गे के स्वास्थ्य की बात है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रार्थना करते हैं, मैं प्रार्थना करता हूं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वे दीर्घायु और स्वस्थ रहें। वे अनेक वर्षों तक जीवित रहें और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होते देखें। बता दें कि खड़गे जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने जसरोटा पहुंचे थे। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इस पर उन्होंने कहा था , मैं 83 साल का हूं, मैं तब तक नहीं मरूंगा, जब तक की मोदी को सत्ता से हटा ना दूं।

आर. एस. ए. अपने शहर पटना में

पटना । बॉलीवुड फिल्म मेकर रवि सिकंदर जिसे पूरा बॉलीवुड आर . एस. ए के नाम से जानती है। लगभग 10 साल बाद आर. एस. ए अपने शहर पटना आए हैं इसकी जानकारी मिलते ही इनके जितने भी फैंस है वह सब लोग इनसे मिलने के लिए बेकरार हो गए। आर . एस. ए से जब बात हुई तो उन्होंने कहा कि मैं पटना लगभग 10 सालों पर आया हूं कुछ अपने पारिवारिक निजी कर्म की वजह से और मैं अपने पुराने दोनों को याद करते हुए पटना के बोरिंग रोड में ठीक उसी तरह से घूम रहा था जो मैं अपने बचपन में घूमा करता था। बॉलीवुड में न जाने कितने ही फिल्म आने वाली है आर . एस. ए की। बॉलीवुड में आर. एस. ए. को लोग इस वजह से खास पसंद करते हैं क्योंकि इनकी लिखी जितने भी स्क्रिप्ट है वह औरों से जुदा है। आर. एस. ए. के बारे में कहा जाता है कि जितनी भी लिखी उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट है वह फिल्म बनाकर रिलीज हो जाती है तो इनका औरा जितने भी फिल्म डायरेक्टर हैं उनसे सबसे ऊपर रहेगा इसी वजह से जितने भी बड़े सुपरस्टार हैं उन्होंने अभी से आर. एस. ए. नजदीकी बना रखी है क्योंकि अब बॉलीवुड में पहले वाली बात नहीं है की बड़े नाम और सुपरस्टार की वजह से फिल्म हिट हो जाती थी। बॉलीवुड में अब फिल्म हिट करने के लिए स्क्रिप्ट में दम और कंटेंट तगड़ा होना चाहिए जिसके माहिर आर. एस. ए. बहुत ही खूब है।

एक राष्ट्र, एक विधान के पक्षधर रहे पंडित दीनदयाल : महाराज

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के हमेशा विरोधी रहे पंडित जी

देहरादून (संवाददाता)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के हमेशा विरोधी रहे। वह भारत की अखण्ड के लिए लगातार संघर्षरत रहे। जम्मू-कश्मीर को लेकर एक राष्ट्र और एक विधान के वह हमेशा से ही प्रबल समर्थक रहे। उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा, फरह के दीनदयाल धाम में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर 29 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले इस स्मृति महोत्सव मेले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मभूमि स्मारक समिति द्वारा विशाल मेला एवं ग्रामीण विकास प्रदर्शनी के साथ-साथ लोक-कला, लोक संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, भूमि संरक्षण, गौ सेवा, महिला सशक्तिकरण और ष्पुरातन सामर्थ्य के साथ-साथ नया भारतष् जैसे विषय पर गोष्ठी एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर आज स्मृति महोत्सव मेले में उपस्थित अपार जन समुदाय को संबोधित करते हुए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पंडित दीनदयाल द्वारा प्रस्तुत दर्शन एकात्मक मानववाद का उद्देश्य एक ऐसे स्वदेशी सामाजिक, आर्थिक मॉडल को प्रस्तुत करना है जिसमें विकास के केंद्र में मानव हो। एकात्मक मानववाद अंत्योदय अर्थात समाज के निचले स्तर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। उनका यह सिद्धांत विविधता को प्रोत्साहन देता है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में पंडित जी का ही अनुसरण किया था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी दूरदर्शी सोच एवं देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए "लोकल फॉर वोकल" को धरातल पर उतारा है। महाराज ने कहा कि दीनदयाल जी ने मानव के संपूर्ण विकास के लिए आत्मिक विकास के साथ-साथ वर्गहीन, जातिहीन और संघर्ष मुक्त समाज की कल्पना की थी। पंडित जी ने कहा था कि हमारे राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है। भारत माता से यदि माता शब्द हटा दिया जाए तो भारत केवल एक जमीन का टुकड़ा मात्र बनकर रह जाएगा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले में आए लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल की जयंती पर हम सभी भारत माता को सुजलाम सुफलाम के वास्तविक अर्थों को धरातल पर उतरने के लिए स्वयं को समर्पित करें। आत्मनिर्भर और समावेशी भारत बनाने का संकल्प लें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय गौ सेवा संयोजक अजीत महापात्र, अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य अद्वैत चरण दत्त, विश्व हिन्दू परिषद, केंद्रीय मार्ग दर्शक दिनेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, बृज प्रान्त के ग्राम्य विकास प्रमुख आर्येन्द्र, दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, नवकानन पंचकर्म उड़पिकर नाटक कर्नाटक के तन्मय गोस्वामी के अलावा आयोजन समिति एवं स्मारक समिति के सोहनलाल शर्मा, मनीष अग्रवाल, नरेंद्र कुमार पाठक, मधुसूदन दादू, केशव कुमार शर्मा एवं अभिषेक जैन आदि मौजूद थे।

डीएम के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा मसूरी में यातायात व्यवस्था पटरी पर लाने की तैयारियां शुरू

देहरादून (संवाददाता)। जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल ने पर्यटन नगरी मसूरी में किंक्रैग पार्किंग को फिर से शुरू किए जाने की कवायद शुरू कर दी है। ज़िलाधिकारी ने अधिकारियों को इसके लिए किंक्रैग पार्किंग से पुस्तकालय एवं पिक्चर पैलेस तक शटल बस सेवा शुरू किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 10 दिन के अन्तर्गत टैण्डर प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए पुलिस विभाग को किंक्रैग में अपना ऑफिस सेटअप कम्प्यूटर नेटवर्क स्थापित किए जाने के भी निर्देश दिए। पुलिस के पास सभी होटलों की अधिकतम पार्किंग सीमा की जानकारी रहेगी। किसी होटल की पार्किंग फुल होने के उपरांत वाहनों को किंक्रैग में ही रोका जाएगा। किंक्रैग से आगे शटल सेवा के माध्यम से भेजा जाएगा।

जिलाधिकारी ने एसपी ट्रैफिक को दिए इस व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के निर्देश। उन्होंने कहा कि पुलिस को जो भी संसाधन की आवश्यकता हो, इसके लिए फंडस जिलाधिकारी त्वरित उपलब्ध कराएगें। उन्होंने उप जिलाधिकारी मसूरी, पुलिस अधीक्षक यातायात एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मसूरी को दिए जल्द कार्यवाही के निर्देश। बैठक में पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार, संयुक्त मजिस्टेऊट मसूरी अनामिका, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी सहित नगर पालिका परिषद मसूरी के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभांवित हो रहे हैं प्रदेश के 8.88 लाख किसान

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार, खेती किसानी की तरक्की के लिए प्रयासरत है। इसके लिए कृषि विभाग कई कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। साथ ही केंद्र सरकार की अहम योजनाओं के लाभ भी प्रदेश के किसानों तक पहुंचाए जा रहे हैं। कृषि विभाग किसानों को प्रमाणित बीज वितरण, कृषि उपकरणों की उपलब्धता, सिंचाई सुविधा, उर्वरक, कीट नियंत्रण, फसल बीमा की सुविधा देने के साथ ही केंद्र सरकार के सहयोग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ दे रहा है। सरकार किसानों को अपने खेत की मिट्टी के पोषक तत्वों की जांच करते हुए, उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, इसके लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना चलाई जा रही है।

योजना के तहत भारत सरकार द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 508. 89 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत कलस्टर के आधार पर चयनित गांवों जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में यह योजना 3900 क्लस्टर में संचालित की जा रही है, इसके लिए भारत सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 13127.40 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। सम्मान निधि से लाभांवित हो रहे हैं 8.88 लाख किसानः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश में 8.88 लाख पंजीकृत किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपए की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में दी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 178.04 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। योजना के तहत अब तक प्रदेश में कुल 2757.20 करोड़ की धनराशि वितरित की जा चुकी की है। इसी तरह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक अप्रैल से सभी जनपदों में चावल और मंडुआ फसल को योजना के तहत कवर किया जा रहा है।

एससी - एसटी बहुल गांवों के लिए विशेष योजनाः सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छोटी जोत वाले किसानों के लिए विशेष कृषि विकास कार्यक्रम चला रही है। इसके तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में चयनित गांवों के लिए 700 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। हमारी प्राथमिकता आधुनिक तकनीक और नवाचारों को किसानों तक पहुंचाना है, जिससे खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सके।

उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती, फल उत्पादन और औषधीय पौधों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कलंकितों से जुड़ रहे भाजपा के तार : कांग्रेस

देहरादून (संवाददाता)। सेलाकुई से भाजपा नेता खालिद मंसूरी के गिरफ्तार होने पर उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने तगड़ा हमला बोला है। दसौनी ने कहा की जो व्यक्ति उत्तर प्रदेश पुलिस के द्वारा 15000 का इनामी घोषित किया गया हो उस व्यक्ति को उत्तराखंड भाजपा ने वक्फ बोर्ड के जरिए मस्जिद का सदर बना दिया, और भाजपा के तमाम नेताओं के साथ उसकी नजदीकियां बताती है कि भाजपा कैसे अपराधियों की शरण स्थली बन चुकी है।

गरिमा ने कंस करते हुए कहा कि एक और तो भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान गतिमान है और दूसरी ओर एक ही पखवाड़े में दर्जन भर से ज्यादा कलंकित अपराधियों के तार सत्ता रूढ़ दल से जुड़ना अपने आप में गंभीर है। दसौनी ने कहा कि आज उत्तराखंड देवभूमि में भारतीय जनता पार्टी का चेहरा बेनकाब हो चुका है और उसका चाल चरित्र चेहरा सबके सामने आ चुका है। मंचों से और सार्वजनिक सभाओं से बड़ी-बड़ी बात करने वाली भाजपा किस तरह की अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को संरक्षण देती है यह अब किसी से छुपा हुआ नहीं है। हालत यह हो गई है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और नेता आज जनता को मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। दसौनी ने कहा कि आज खालिद मंसूरी की गिरफ्तारी के बाद भारतीय जनता पार्टी के पास अपने बचाव में खाने के लिए कुछ नहीं है।

ब्रोकली ज्यादा खाते हैं तो हो सकती है सूजन, जी मिचलाने की समस्या, जानें अन्य साइड इफेक्ट

ब्रोकली का सेवन थायरॉयड ग्रंथि पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ब्रोकली में थायोसाइनेट्स होता है और ब्रोकली को त्वचा पर लगाने से रैशेज हो सकते हैं।ब्रोकोली के साइड इफेक्ट

शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है। जब पौष्टिक भोजन की बात आती है तो फलों और सब्जियों का नाम सबसे पहले आता है। ऐसी अनगिनत सब्जियां हैं जो पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। ऐसी ही एक सब्जी है ब्रोकली जो फूलगोभी प्रजाति की है। ब्रोकली में प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, विटामिन ए, सी के साथ कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका ज्यादा सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है या किसी खास स्थिति में फायदा करने के बजाय नुकसान भी कर सकता है, अगर नहीं तो आइए जानते हैं कैसे। ब्रोकली कब हानिकारक हो सकती है?

रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकली के सेवन से थायरॉइड ग्रंथि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि ब्रोकली एक गोइट्रोगिन प्रकृति का होता है। यानी इनमें ऐसे रसायन होते हैं जो थायराइड ग्रंथि को बढ़ा सकते हैं, यह थायराइड ग्रंथि पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। है।

ब्रोकली में थायोसाइनेट्स होता है जो सेहत के लिए काफी खतरनाक माना जाता है। इनसे हाइपरथायरायडिज्म का खतरा बढ़ जाता है और इससे वजन बढ़ना, थकान, बालों का झड़ना, चेहरे पर सूजन जैसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं। इतना ही नहीं ब्रोकली हरी पत्तेदार सब्जियों के समूह से संबंधित है। जो फाइबर से भरपूर होते हैं। इसके अधिक सेवन से गैस्ट्रिक, सूजन, पेट फूलना, जी मिचलाना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ब्रोकली को त्वचा पर लगाने से रैशेज हो जाते हैं क्योंकि कुछ लोगों को ब्रोकली से एलर्जी हो सकती है।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि ब्रोकली खाने के कई फायदे होते हैं, लेकिन ब्रोकली खाने से आपको नुकसान भी हो सकता है।

धनिया खाने से मिलेगे ये पांच बड़े फायदे

आप सभी धनिया का इस्तेमाल सब्जी में या फिर चटनी के रूप में तो करते ही होगे। आमतौर पर लोग इसका इस्तेमाल सब्जियों, दाल को गार्निश करने या इनका स्वाद बढ़ाने के लिए करते हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल मसाले के रूप में भी किया जाता है। आपको जानकर काफी हैरानी होगी कि इन सबके अलावा धनिया स्वास्थ को लेकर भी कई प्रकार से फायदे पहुंचाता है। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन-ए, सी, कैल्शियम और मैग्नीशियम गुण होता है जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। तो आज हम आपको बतायेगे धनिये के फायदे...

हृदय को रखें स्वस्थ

धनिया दिल के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसमें लिनोलिक, ओलिक, पामिटिक, स्टीयरिकऔर एस्कॉर्बिक एसिड पाये जाते है जो हार्ट स्ट्रोक जैसे जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। यह हृदय में रक्त संचार की प्रक्रिया को भी ठीक रखता है। रोजाना धनिया पत्ती का सेवन करना भी फायदेमंद है।

डायबिटीज को रखें कंट्रोल

इसका सेवन डायबिटीज के मरीज के लिए बहुत गुणकारी है। इसमें एंटीडायबिटिक तत्व पाया जाता है जो कि रक्त में चीनी का मात्रा को कम करता है और इंसुलिन को बढ़ाता है। रोजाना खाली पेट इसके जूस का सेवन करने से डायबिटीज नियंत्रण में रहती है।

पाचन तंत्र को करें मजबूत

धनिया के पत्ते पांचन तंत्र को मजबूत करने में भी मदद करते हैं। इसमें लिनालूल नामक तत्व होता है जो पेट की समस्या नहीं होने देता और पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाता है। इसमें एंटीस्पास्मोडिक गुण भी होते हैं जो शरीर में एक दवा की तरह काम करते हैं और लीवर के फंक्शन को बेहतर बनाने का काम करते हैं।

कमजोरी करें दूर

अगर आपका शरीर भी थका महसूस करता है या चक्कर आते है, तो ये कमजोरी का संकेत हो सकता है।

कैलोरी बर्न करने का सबसे आसान तरीका है रस्सी कूदना

रस्सी एक अच्छा कार्डियो व्यायाम है। रस्सी कूदने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है। रस्सी कूदने से शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियां शिथिल होती हैं।रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभ: वजन कम करने के लिए हम क्या नहीं करते, आजकल लोग एक्सपेंसिव डाइट प्लान से हैवी एक्सरसाइज करके अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। रोजाना किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से भी आप आसानी से अपनी कैलोरी बर्न कर सकते हैं। फिट रहने के लिए आप एक बार फिर बचपन के खेल को याद कर सकते हैं। जी हां, रस्सी कूदना बहुत तेजी से वजन कम करने में मददगार होता है। दरअसल, रस्सी कूदना कार्डियो एक्सरसाइज का एक बेहतरीन रूप है जिसे करने से विश्व स्तर के एथलीट भी नहीं चूकते। रस्सी कूदना आपके एब्स को कम करता है, आपके एब्स को मजबूत करता है, आपके फेफड़ों को मजबूत करता है और आपकी सहनशक्ति को बढ़ाता है। यह पूरे शरीर का वर्कआउट है और कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने में काफी कारगर साबित होता है। तो आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ और स्वास्थ्य लाभ।

रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभ:

रिपोर्ट के अनुसार यदि आप नियमित रूप से रस्सी कूदते हैं तो तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है। रस्सी कूदने से आपके शरीर और दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है। जिससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

शरीर का लचीलापन बढ़ाएं:

रस्सी कूदने के कई फायदे हैं। जब आप रस्सी कूदते हैं तो शरीर की मांसपेशियां शिथिल होती हैं और लचीलापन बढ़ता है। कूदने से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए एथलीट भी इसे अपने वर्कआउट रिजीम में शामिल करते हैं।

हड्डियों को बनाता है मजबूत :

कुछ समय तक लगातार रस्सी कूदने से आपकी हड्डियाँ मजबूत होती हैं और उनकी घनत्व शक्ति बढ़ती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना कम हो जाती है।

पेट की चर्बी कम करे :

पेट की चर्बी कम करना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन रस्सी कूदने से आपके शरीर और पेट का वजन बहुत तेजी से कम होता है। उच्च-तीव्रता वाले अंतराल प्रशिक्षण अभ्यास आपको आहार के बिना पेट की चर्बी कम करने और आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

यह भी पढ़ें: मच्छरों से बचने के लिए क्रीम या तेल का इस्तेमाल कर रहे हैं तो जान लें खतरा

हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है:

रस्सी कूदना शरीर और हृदय के लिए बहुत फायदेमंद होता है, यह हृदय के लिए सबसे अच्छा कार्डियो व्यायाम है, क्योंकि यह हृदय गति को बढ़ाता है, जिससे हृदयघात और दौरे का खतरा कम हो जाता है।

हीमोग्लोबीन बढ़ाने के साथ ही त्वचा का रंग भी निखारता है चुकंदर

शरीर में खून की कमी दूर करने और हीमोग्लोबीन बढ़ाने में चुकंदर यानी बीटरूट बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन क्या आप ये जानती हैं कि आपको हेल्दी रखने वाला चुकंदर खूबसूरती निखारने में भी मदद करता है।बीटरूट से न सिर्फ चेहेर का रंग निखारा जा सकता है, बल्कि दाग-धब्बे और झुर्रियां भी दूर होती हैं। खूबसूरती निखारने के लिए कैसे करें चुकंदर का इस्तेमाल आइए जानते हैं।चुकंदर में विटामिनख्र ए,सी और विटामिनख्रके होता है। यह शरीर की आयरन, कॉपर और पोटैशियम की जरूरत को पूरा करता है और स्किन को हेल्दी बनाता है। चुकंदर का जूस नियमित रूप से पीने से चेहरे पर निखार आता है और दाग-धब्बे भी दूर होते हैं।

चुकंदर के जूस में गाजर, नींबू और नमक मिलाकर पीएं। इसके अलावा चेहरे पर मौजूद पिंपल्स के दाग हटाने के लिए आप चुकंदर का मास्क इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 5ख्र6 चम्मच चुकंदर रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए सूखने दें। फिर पानी की मदद से हल्के हाथों से चेहरे व गले का मसाज करें। कुछ देर मसाज करने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दाग-धब्बों के साथ ही सनबर्न की समस्या भी दूर होती है।चेहरे की रंगत निखारने के लिए एक चम्मच चुकंदर के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं और रुई की मदद से इसे चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार ये फेस पैक लगाने से रंग निखर जाती है। इसके अलावा चुकंदर को छीलकर ब्लेंडर में अच्छी तरह पीस लें। अब एक चम्मच पेस्ट में एक चम्मच मॉइश्चराइज क्रीम मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे में ग्लो आएगा।

चुकंदर बेहतरीन टोनर का भी काम करता है। इसके लिए चुकंदर को काट लें और इसमें थोड़ी सी कटी पत्तागाभी डालकर ब्लेंडर में बारीक पीस लें। इस तैयार पेस्ट को आइस क्यूब बनाने के लिए आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में रख दें। जब यह जम जाए तो इस क्यूब को चेहरे पर रगड़ें इससे चेहरा एकदम फ्रेश दिखेगा।चुकंदर फटे होंठों को भी ठीक करने में मदद करता है। चुकंदर का जूस निकालकर उसे फ्रिज में रख दें, जब वह थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसे रात को होंठो पर लगाएं। सुबह उठने के बाद इसे मलाई से साफ करें। होंठ एकदम सॉफ्ट व गुलाबी हो जाएंगें।

उत्तराखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगा भू-कानून : पंकज शांडिल्य

हरिद्वार (संवाददाता)। बाइटवेव इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी के जनरल मैनेजर एवं रैंकर्स न्यूज के संस्थापक पंकज शांडिल्य ने भू-कानून को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्णय का स्वागत किया है। जिसमें सीएम धामी ने भू-कानून-2017 में आवश्यक सुधार के संकेत दिए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी भू-कानून का प्रारूप तैयार कर रही है। पंकज शांडिल्य ने कहा सीएम का निर्णय उत्तराखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

बताते चलें कि सीएम धामी ने माना कि भू-कानून 2017 में सुधार की गुंजाइश है। प्रेसवार्ता के दौरान सीएम धामी ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि साल 2017 में भू- कानून में जो बदलाव किए गए थे, उसके परिणाम सकारात्मक नहीं आए हैं. क्योंकि साल 2017 में किए गए बदलाव के अनुसार जो अनुमति शासन स्तर पर दी जानी थी, उसको बदलकर जिला स्तर पर कर दिया गया था.साथ ही 12.5 एकड़ जो इसकी अधिकतम सीमा थी, वो खत्म कर दी गई थी. लिहाजा इन प्रावधानों की भी समीक्षा की जाएगी. अगर जरूरत पड़ी तो साल 2017 में भू कानून में किए गए नए प्रावधानों को समाप्त भी किया जा सकता है. ताकि इन प्रावधानों के माध्यम से जो बे-रोकटोक जमीनों की खरीद फरोख्त और दुरुपयोग किया गया है और उसको रोका जाए। गौरतलब है कि उत्तराखंड में लंबे समय से सख्त भू-कानून की मांग की जा रही है, जिसको लेकर अब उत्तराखंड की धामी सरकार भी हरकत में आ गई है. शुक्रवार 27 सितंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में भू-कानून को लेकर सचिवालय में प्रेस वार्ता की और कई अहम जानकारियां दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में एक कानून प्रचलित है, जिसमें नगर निकाय क्षेत्र से बाहर क्षेत्र में 250 वर्ग मीटर भूमि कोई भी बाहरी व्यक्ति बिना अनुमति के खरीद सकता है. प्रदेश में पहले से ही इस तरह का प्रावधान बना हुआ है. लेकिन संज्ञान में आया है कि इस कानून के बनने के बाद तमाम लोगों ने अपने ही परिवार के सदस्यों के अलग-अलग नाम से जमीन खरीद ली है. ऐसे में जिन उद्देश्यों से नगर निगम क्षेत्र से बाहर 250 मीटर जमीन खरीदने का प्रावधान किया गया था, वो उसके अंतर्गत नहीं आता है. लिहाजा इस तरह से जितनी भी जमीन नगर निगम क्षेत्र से बाहर खरीदी गई है, उन सभी जमीनों का विवरण तैयार कराया जा रहा है. लिहाजा ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. सीएम ने कहा कि जितनी भी जमीन इस तरह से खरीदी हुई निकलेगी, उन सभी जमीनों को राज्य सरकार में निहित किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के भीतर जिन लोगों ने जिस उद्देश्य से भूमि खरीदी है, अगर वह उसे उद्देश्य के आधार पर उपयोग नहीं कर रहे हैं, ऐसी जमीनों का भी विवरण तैयार किया जा रहा है. लिहाजा, ऐसे लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. साथ ही ऐसी जमीनें भी राज्य सरकार में निहित की जाएंगी। सीएम ने कहा कि उत्तराखंड का मूल स्वरूप बनाने के उद्देश्य से उठाए जा रहे इन सभी कदमों से किसी भी ऐसे व्यक्ति को परेशान होने की जरूरत नहीं है, जो प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं और उद्योग लगाना चाहते हैं. क्योंकि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश में तमाम क्षेत्रों में निवेश किया जाए।सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भू-कानून और मूल निवास जैसे मुद्दे को लेकर बेहद संवेदनशील है. लिहाजा अगले बजट सत्र के दौरान प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप प्रदेश में भू-कानून लागू किया जाएगा. प्रदेश में सख्त भू कानून लागू किए जाने को लेकर प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी का गठन पहले ही किया जा चुका है. उन्होंने कहा कि कहा कि मार्च 2021 और इससे लंबे समय से चले आ रहे तमाम मामले ऐसे थे, जिन मामलों पर फैसले नहीं हो पा रहे थे, उन सभी मामलों पर फैसले लिए गए हैं. इसी तरह भू कानून के मुद्दे का समाधान भी भाजपा सरकार ही करेगी. सबकी भावनाओं और सभी पक्षों से बातचीत करने, अनेक विषयों के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने के साथ निर्णय लिया जाएगा।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन विभाग ने किया संगोष्ठी का आयोजन

हरिद्वार, संवाददाता। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा गंगा म्यूजियम में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्व पर्यटन संगठन द्वारा निर्धारित थीम ''पर्यटन और शांति'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उत्तराखंड में पर्यटन विकास की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अमित लोहनी ने संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए गोष्ठी में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जिला पर्यटन विकास अधिकारी अमित लोहनी ने सभी स्टेक होल्डर, व्यापारियों, होम स्टे संचालकों को विश्व पर्यटन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिये जाने और भविष्य में उसके विकास के लिए निवेश को प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक माना है। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति इस बात पर प्रकाश डालती है कि अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव, सांस्कृतिक समझ और शांति को बढ़ावा देने में पर्यटन कितना महत्वपूर्ण है। पर्यटन आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है और अलग-अलग मूल के लोगों को एकजुट करके संघर्ष को कम करता है। थीम इस बात पर भी जोर देती है कि पर्यटन किस तरह से उपचार और सुलह प्रक्रियाओं में सहायता कर सकता है। साझा यात्रा अनुभव सहानुभूति, सहयोग और संचार को बढ़ावा देते हैं, जो विश्व शांति में योगदान करते हैं। विश्व पर्यटन दिवस का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।

इस अवसर पर एक होम स्टे स्वामियों के साथ भी चर्चा की गयी। जिसके माध्यम से आयुष सेंटरों से जुड़े होम स्टे स्वामियों को आयुवेद के सम्बन्ध में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा.स्वास्तिक सुरेश ने जानकारी प्रदान करते हुए होम स्टे में आने यात्रियों/पर्यटकों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (वैलनेस सेंटर) के माध्यम से ईलाज के लिये आयुर्वेदिक पद्धति को अपनाने की अपील की।

संगोष्ठी में राष्ट्रीय धर्मशाला एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश गौड ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पयर्टन को बढ़ावा देने के लिए तीर्थनगरी में आने वाले यात्रियों/पर्यटकों के साथ सभी को मधुर व्यवहार करना चाहिए। धर्मशाला एसोसिएशन के विकास तिवारी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड एवं हरिद्वार अपनी अध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्ता के कारण विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए है। तीर्थनगरी में विभिन्न देशों और धर्मों के करोड़ों लोग आध्यात्मिक उन्नयन, गंगा स्नान के पूरे वर्ष यहां आते हैं। इसके अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक महत्ता की दृष्टि से भी यह तीर्थ और पर्यटन स्थल देश दुनिया में शांति का संदेश प्रसारित कर रहा है, यही हमारी पहचान है। लिहाजा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी लोक संस्कृतियों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि तीर्थनगरी हरिद्वार विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। इसलिए हरिद्वार से चार धाम यात्रा प्रारंभ की जानी चाहिए। राज्य सरकार तीर्थनगरी हरिद्वार की पुरानी धर्मशालाओं को संरक्षण प्रदान करते हुए उन्हें सब्सिडी प्रदान करे। सरकार एक नीति बनाकर उनके अनुरक्षण के लिये ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करे। देवभूमि हरिद्वार में आने वाले यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिये पर्यटन पुलिस की स्थापना की जानी चाहिए। जिससे पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं फर्जी ट्रेवल एजेन्टों से धोखाधड़ी होने पर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो सके।

सुनील सेठी ने कहा कि सभी हरिद्वार समेत उत्तराखंड में पर्यटन को और बढ़ावा देने के पक्षधर है। जिससे यहां के व्यापारियों का व्यापार उन्नति करे और यात्रियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिले। उत्तराखंड प्रतिवर्ष पयर्टन बढ़ रहा है। जो भविष्य में व्यापार हित में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर क्रॉस कन्ट्री-रन फॉर टूरिज्म एण्ड पीस, डांडिया नृत्य, दीपदान का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी अमित लोहनी, धर्मशाला एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश गौड, विकास तिवारी, अनिरूद्ध भाटी, ट्रेवल एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश पालीवाल, बजट होटल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी अखिलेश चौहान, राकेश कुमार अग्रवाल, होम स्टे एसोसिएशन के अध्यक्ष मोनिक धवन, सुनील सेठी, अभ्युदय शर्मा, नेचर फाउंडेशन की अध्यक्ष किरण भटनागर, पर्यटन विभाग के वरिष्ठ सहायक आशीष कुमार, मनोज तोमर, मनीषा शर्मा, तीरथ सिंह रावत, गम्भीर सिंह कोहली आदि उपस्थित रहे।

बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर नैदानिक वैज्ञानिकों का सम्मेलन आयोजित

देहरादून (संवाददाता)। वार्षिक कार्यक्रम बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में विचारों और शोध निष्कर्षों को साझा करने के लिए विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के शिक्षाविदों को एक साथ लाता है। पिछले साल, चौथा संस्करण हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना में आयोजित किया गया था।

इस वर्ष के आयोजन का विषय था "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हेल्थकेयर सिस्टम में वर्तमान डायग्नोस्टिक एडवांसमेंट्स" और इसे होटल वाइसराय इन में आयोजित किया गया, जिसमें देश भर से 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत में एलिसा परीक्षण के अग्रणी और जैव रसायन विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. हरबंस लाल ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अनुसंधान एवं विकास पंकज मिश्रा सम्मेलन के सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम में जानकारीपूर्ण आमंत्रित व्याख्यान शामिल थे। हरियाणा के झज्जर स्थित वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. राजेश बरेजा ने आधुनिक चिकित्सा में शोध प्रकाशनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों पर चर्चा की। एम्स, भोपाल, मध्य प्रदेश में बायोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर डॉ. सुखेस मुखर्जी ने डायग्नोस्टिक बायोकेमिस्ट्री में प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर प्रस्तुति दी। इसके अलावा, राजस्थान के श्री गंगानगर स्थित डॉ. एसएस टांटिया मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्जुन मैत्रा ने धमनी स्वास्थ्य और अन्य हृदय संबंधी मापदंडों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक 'पल्स वेव एनालिसिस' का सार और प्रक्रिया बताई। कार्यक्रम में स्पेक्टेवो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के डॉ. दामिनी सिंह और डॉ. विपिन शर्मा द्वारा डायग्नोस्टिक लैब की स्थापनारू योजना, डिजाइन और कमीशनिंग पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल था। दोपहर के भोजन के बाद, कार्यक्रम एक मौखिक वैज्ञानिक प्रस्तुति सत्र के साथ जारी रहा, जिसमें एक दर्जन से अधिक शोध विद्वानों ने प्री और पैरा-क्लीनिकल चिकित्सा विषयों से संबंधित विषयों पर अपने शोध लेख प्रस्तुत किए। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, और प्रस्तुतकर्ताओं का उनके शोध और प्रस्तुति की गुणवत्ता के आधार पर मूल्यांकन किया गया। मेघलाथा.टीएस जिन्होंने डीएनए प्रोटीन क्रॉसलिंक और डीएनए क्षति बेज़ (ए) पाइरीन प्रेरित स्तन कैंसर पर विथाफेरिन-ए और प्रोपोलिस की प्रभावकारिता का आकलन शीर्षक से अपना लेख प्रस्तुत किया, उन्हें विजेता घोषित किया गया और मोहित सुयाल ने दूसरा स्थान हासिल किया और विजय कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया एनएमएमटीए के संस्थापक डॉ. श्रीधर राव ने कहा कि एनएमएमटीए का विकास हो रहा है और यह समय के साथ अपनी योग्यता साबित कर रहा है। अध्यक्ष डॉ. अर्जुन मैत्रा ने कहा कि ये सम्मेलन घर वापसी जैसा है और यहां कोई भी अपने पेशेवर परिवार से मिल सकता है। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान की बेहतरी के लिए अधिक समावेशी भागीदारी की उम्मीद जताई। कार्यक्रम का समापन एसोसिएशन के सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें अगले साल एक नए स्थान पर फिर से आयोजन करने का वादा किया गया।

मलेरिया अधिकारी ने लोगों को डेंगू से बचाव को किया जागरूक

अल्मोड़ा,(संवाददाता)। जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी ने बताया कि मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से बचने के लिए, मच्छरों के काटने से बचना ज़रूरी है। सर्वप्रथम मच्छरों के प्रजनन स्थलों को हटाएं क्योंकि मच्छर स्थिर पानी में प्रजनन करते हैं। इसलिए बर्तनों, फूलों के गमलों, और पानी की टंकियों में पानी न जमा होने दें। उन्होने बीमारी से बचने के लिए लोगों को सुझाव दिया कि घर के अंदर छिड़काव करें. घर की दीवारों और छतों पर कीटनाशकों का छिड़काव करने से मच्छरों को मारा जा सकता है। मलेरिया अधिकारी जोशी ने वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की टीम के साथ आज एकता विहार एवं नथ्थनपुर क्षेत्र का भ्रमण किया। उक्त क्षेत्र मे डेंगू वॉलिंटियर्स द्वारा डेंगू लार्वा सर्वे सोर्स रिडक्शन एवं जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया। सभी वॉलिंटियर्स अपने क्षेत्र में कार्य करते हुए पाए गए। टीम ने क्षेत्र में पनप रहे डेंगू मच्छर के लार्वा को नष्ट कर लोगों को डेंगू से बचाव हेतु जागरूक भी किया। जोशी ने बताया कि कुछ लोग डेंगू लार्वा सर्वे सोर्स रिडक्शन एवं जन जागरूकता कार्य में डेंगू वॉलिंटियर्स को सहयोग नहीं कर रहे है। उन्हे घर के अंदर निरीक्षण करने से रोका जा रहा है, जिसकी वजह से कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है।

राज्यपाल ने किया सराहनीय सेवाएं देने वाले डॉक्टर्स को सम्मानित

देहरादून/ऋषिकेश (संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को एम्स ऋषिकेश में पारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभाल पर 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के डॉक्टर्स ने विभिन्न सत्रों में आयोजित चर्चाओं में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने सराहनीय सेवाएं देने वाले डॉक्टर्स को सम्मानित किया और इस सम्मेलन की स्मारिका का भी विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि 'पारिवारिक चिकित्सा एवं प्राथमिक देखभाल' स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। पारिवारिक चिकित्सक परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य स्थिति को समझकर बेहतर इलाज प्रदान कर सकते हैं। पारिवारिक चिकित्सा केवल रोग के इलाज तक सीमित नहीं होती, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और रोकथाम पर भी ध्यान देती है। बढ़ती हुई बीमारियों के दौर में इलाज की आवश्यकता कम, बचाव एवं काउंसिलिंग की जरुरत ज्यादा है। कोई भी परिवार या व्यक्ति अपने खान-पान, तनाव, घरेलू हिंसा, परेशानी, व्यक्तिगत परेशानियों के बारे में पारिवारिक चिकित्सक की सलाह लेना पसंद करते हैं। इसलिए फैमिली मेडिसिन और प्राइमरी केयर चिकित्सकों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे डॉक्टर्स जनसमुदाय के बीच में जाकर समाज और परिवार की सतत निगरानी और काउंसिलिंग करें तो शायद बीमारियां अपना खतरनाक रूप ले ही नहीं पाएंगी और बीमारी बढ़ने से पहले ही ठीक हो जाएगी। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग गंभीर अवस्था में ही चिकित्सकों के पास जाते हैं। प्राथमिक देखभाल को मजबूत करने से विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने डॉक्टर्स से दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पंहुचाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने एम्स, ऋषिकेश की निदेशक प्रो0 मीनू सिंह के निर्देशन में चल रहे फैमिली मेडिसिन एवं सोशल आउटरीच सेल के द्वारा उत्तराखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अभी तक 1.5 लाख से अधिक मरीजों को डोरस्टेप केयर दिए जाने और गांव एवं मलिन बस्तियों में कम्युनिटी वेलनेस कार्यक्रम एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन एवं ड्रोन के जरिए सुविधाएं प्रदान किए जाने के लिए सराहना की। सम्मेलन में उपस्थित परमार्थ निकेतन के प्रमुख चिदानंद सरस्वती ने भी अपने विचार रखे और कहा कि परिवारों को अपनी पुरातन संस्कृति से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मेडिसिन के साथ-साथ मेडिटेशन जरूरी है।

इस अवसर पर अध्यक्ष एकेडमी ऑफ फैमिली फिजीशियन ऑफ इंडिया डॉ रमन कुमार ने भी अपने विचार रखे। एम्स निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने देशभर से आए डॉक्टर्स का स्वागत करते हुए इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक डॉ संतोष कुमार, डीन अकादमिक एम्स प्रो. जया चतुर्वेदी सहित अनेक डॉक्टर्स मौजूद रहे।

जन भावनाओं के अनुरूप भू -कानून में होगा संशोधन

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भू-कानून की दिशा में लिए गए निर्णय के बाद प्रदेश में अवैध रूप से जमीनों की खरीद फरोख्त करने वालों के ख़िलाफ़ सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। प्रदेश के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भू क़ानून को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भू-क़ानून को लेकर गंभीर है।जिन लोगों ने भी यहाँ भूमि ख़रीदी और उसका उपयोग उस प्रयोजन हेतु नहीं कर रहे हैं जिस प्रयोजन हेतु भूमि क्रय की है उनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए भूमि को राज्य सरकार में निहित किया जाएगा। इसके अतिरिक एक परिवार में 250 वर्ग मीटर से ज़्यादा भूमि ख़रीद कर जिन्होंने नियमों का उल्लंघन किया है,उनकी भी अतिरिक्त ज़मीन राज्य सरकार में निहित की जाएगी। वन मंत्री ने कहा भू-क़ानून में जो भी सुधार राज्य हित में अपेक्षित होंगे वह प्रयास किए जायेंगे लेकिन इसके लिए प्रदेश के नागरिकों को भी जागरूक होकर सरकार का सहभागी बनना होगा। वन मंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रदेशवासी अपने पैतृक भूमि को संरक्षित करें और उसकी बिक्री ना करें। वन मंत्री ने स्पष्ट किया कि पूर्व में भू-कानून में जो भी ऐसे संशोधन हुए हैं, और उनसे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं, जन भावनाओं के अनुरूप उनमें भी संशोधन करने से पीछे नहीं हटा जाएगा। वन मंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों के हक हकूकों को संरक्षित करने को हर संभव कदम उठाये जा रहे हैं। राज्य का भावी भू कानून इसी सोच के साथ तैयार किया जा रहा है। गौरतलब है कि भू कानून को लेकर मुख्यमंत्री ने कई स्तर पर कार्यवाही करने और अगले बजट सत्र में राज्य की जनभावनाओं के अनुरूप भू क़ानून लागू करने दिशा में निर्णय लिया है।राज्य सरकार ने सुभाष कुमार समिति का गठन किया है इसके साथ ही भू कानून का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में गठित समिति सुझावों का अध्ययन कर लागू करने के लिए बैठकें कर के इसको अंतिम रूप दे रही है।

स्किल उत्तराखण्ड: युवाओं को मिले साढ़े तीन लाख रुपए मासिक वेतन के ऑफर

देहरादून(संवाददाता)। कोटद्वार निवासी प्रशांत रावत, जीएनएम का कोर्स करने के बाद वर्तमान में देहरादून के निजी अस्पताल में नौकरी कर रहे हैं। प्रशांत अब जर्मन भाषा में बी-2 का प्रशिक्षण पूरा करने का इंतजार कर रहे हैं, इसके बाद वो जर्मनी में ढाई से साढ़े तीन लाख रुपए मासिक वेतन वाली नौकरी शुरू कर सकेंगे, जिसका ऑफर लेटर उन्हें पहले ही मिल चुका है। उत्तराखण्ड सरकार की ओर से चलाई जा रही 'मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना' ने प्रशांत के इन सपनों को रंग भरने का काम किया है। इसके लिए चयनित सभी युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन से सेवायोजन विभाग की ओर से चलाई जा रही 'मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना', राज्य के युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। योजना के तहत जर्मनी में नर्सिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक 15 युवाओं को देहरादून में जर्मन भाषा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त सभी युवा बीएससी नर्सिंग, जीएनएम जैसे कोर्स करने के बाद वर्तमान में देहरादून में प्राइवेट जॉब कर रहे हैं। अब वो विदेशी भाषा का प्रशिक्षण हासिल करने के बाद, जर्मनी में रोजगार हासिल कर, उत्तराखण्ड ही नहीं देश का भी नाम रोशन करने जा रहे हैं। उत्तराखण्ड सरकार के प्रयासों से इन युवाओं का चयन पहले ही जर्मनी के विभिन्न अस्पतालों में ढाई से साढ़े तीन लाख रुपए प्रति माह के वेतन पर हो चुका है, बस उन्हें इसके लिए जर्मन भाषा में बी - 2 परीक्षा पास करनी है। सरकार का भरोसा और आधे से कम खर्च: योजना के तहत प्रशिक्षण ले रही देहरादून त्यागी रोड निवासी अवंतिका बताती हैं कि यदि वो बाहर से जर्मन भाषा का प्रशिक्षण लेती तो, इसमें चार लाख रुपए तक का खर्च आता। लेकिन उत्तराखंड सरकार के अधीन आधे से कम खर्च में प्रशिक्षण मिल रहा है। उस पर सरकार के जरिए चयन होने से किसी तरह की ठगी की भी संभावना नहीं है। वो इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त कर रही हैं। मिलेगा दो साल का वर्क वीजा: देहरादून रानीपोखरी निवासी आस्था शर्मा भी चयनित युवाओं में शामिल है। आस्था बताती हैं कि करीब एक साल के प्रशिक्षण पर औसत डेढ़ लाख का व्यय आ रहा है। इसमें 20 प्रतिशत व्यय उत्तराखण्ड सरकार उठा रही है, इसमें वीजा खर्च भी शामिल है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत उन्हें जर्मनी मे दो साल का वर्क वीजा भी मिलेगा। टिहरी निवासी काव्य चैहान के मुताबिक उन्होंने सरकारी नौकरी के उद्देश्य से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई की थी, लेकिन योजना की जानकारी के बाद उन्होंने जर्मनी में अपना करियर बनाने का निर्णय लिया, जहां नौकरी के लिए उन्हें ऑफर लेटर भी मिल चुका है। देहरादून निवासी प्रवीण लिंगवाल के मुताबिक इस योजना के कारण ही उनका विदेश में रोजगार का सपना पूरा हो रहा है।

शांतिकुंज में आयोजित ज्योति कलश यात्रा कार्यशाला का समापन

हरिद्वार, संवाददाता। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में आयोजित तीन दिवसीय ज्योति कलश यात्रा कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर पश्चिमोत्तर के राज्यों व नेपाल से आये सैकड़ों पीतवस्त्रधारियों ने ज्योति कलश यात्रा निकाली।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए पंडित शिवप्रसाद मिश्र ने कहा कि गायत्री परिवार के संस्थापक व युग निर्माण योजना के सूत्रधार युगऋषि पं.श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के दिव्य संकल्पों का प्रतीक है अखण्ड दीपक। इसी अखण्ड दीपक व माता भगवती देवी शर्मा का जन्मशताब्दी वर्ष 2026 है। जन्मशताब्दी वर्ष को पूरे देश में उमंग व उत्साह के साथ मनाया जाना है। इस हेतु निकलने वाली ज्योति कलश यात्रा को देश के प्रत्येक गाँव, कस्बा व शहर के गली-गली में लेकर जाना है। मिश्र ने कहा कि सूर्य की किरण निकलते ही अंधकार मिट जाता है। उसी प्रकार सद्विचार के प्रकाश से कुविचारों का नष्ट होना स्वाभाविक है।इससे पूर्व प्रतिभागियों ने गायत्री परिवार प्रमुख डा.प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी से भेंटकर आशीर्वाद व मार्गदर्शन लिया। डा.प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने कहा कि विचार सशक्त व प्रबल होंगे, तो नकारात्मक और कुविचारों को आसानी से मिटाया जा सकता है। डा.चिन्मय पण्ड्या प्रवास में होने के कारण प्रतिभागियों से वचुअर्ल जुड़े और ज्योति कलश यात्रा पर विशेष मार्गदर्शन दिया।शिविर समन्वयक वीरेन्द्र तिवारी ने बताया कि पश्चिमोत्तर राज्यों एवं नेपाल के लिए डा.प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने दिव्य ज्योति कलश का विशेष पूजन किया और परिजनों को सौंपा। इस कलश को लेकर शांतिकुंज, हरिपुर कलॉ व देवसंस्कृति विवि क्षेत्र में ज्योति कलश यात्रा निकाली गयी। यह यात्रा उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, चण्डीगढ़ व नेपाल पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में पश्चिमोत्तर राज्यों एवं नेपाल के भौगोलिक क्षेत्र, सांस्कृतिक परिवेश आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया। प्रतिभागियों को व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरी, शेफाली पण्ड्या, डा.ओपी. शर्मा, प्रो.विश्वप्रकाश त्रिपाठी, श्याम बिहारी दुबे सहित कई विषय विशेषज्ञों ने यात्रा के विषय में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उत्तराखण्ड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा, चण्डीगढ़ और नेपाल से आए कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध धामी सरकार : जोशी

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी रविवार को विकासनगर पहुंचे। जहां उन्होंने विकासनगर स्थित एक निजी वेडिंग प्वाइंट में पीबीओआर पूर्व सैनिक संगठन पछुवादून के तृतीय स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने वीर नारियों पूर्व सैनिकों को भी स्मृति चिन्ह देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सैनिक मंत्री गणेश जोशी ने पीबीओआर पूर्व सैनिक संगठन के तृतीय स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सैनिक सम्मान की चिंता मोदी सरकार करती है और इसी का नतीजा है कि प्रदेश का राज्यपाल एक पूर्व सैनिक हैं और सैनिक का बेटा आज प्रदेश का मुख्यमंत्री और सैन्य कल्याण मंत्री भी एक पूर्व सैनिक है।उन्होंने कहा कि जब से देश की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाली है, देश का मान सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सैनिकों का मनोबल बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अवनीश कुमार, मो0 9410553400
ई-मेल: liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।